Unit-3

Paper-(Guidance and counselling)

* मार्गदर्शन में उपयोग किये जाने वाले टूल्स —:
(Tools used in guidance)

मार्गदर्शन में निम्नलिखित टूल्स या प्रविधि का प्रयोग किया जाता है:—

- (1) अवलोकन (observation)
- (2) प्रश्नावली (Questionnaire)
- (3) आकस्मिक निरीक्षण आलेख (Anecdotal Record)
- (4) संचयी आलेख (cummulative Record)
- (5) साक्षात्कार (Interveiw)
- (6) एकल अध्ययन विधि (case study Method)

(1) अवलोकन प्रविधि (observation Method):—

यह प्रविधि एक प्रकार की अप्रमापीकृत प्रविधि है जो निर्देशन एवं परामर्श के लिए उपयोग में लाई जाती है। यह विद्यार्थी या उपबोध्यक के विषय में सूचनाएँ ज्ञात करने की प्रमुख प्रविधि है जिसका प्रयोग प्राचीनकाल से ही किया जा रहा है। यह प्रविधि अन्य प्रविधियों का मूल आधार माना जाता है क्योंकि इस प्रविधि में तथ्यों का निरीक्षण या अवलोकन करके सूचनाएँ एकत्रित की जाती है। इसे आत्मनिष्ठ प्रविधि भी कहा जाता है।

* अवलोकन या निरीक्षण प्रविधि के प्रकार:—

- (i) प्रमापीकृत अथवा स्वाभाविक निरीक्षण
- (ii) बाह्य अथवा आंतरिक निरीक्षण
- (iii) नियंत्रित या अनियंत्रित निरीक्षण
- (iv) निर्देशित अथवा अनिर्देशित निरीक्षण

इसके अतिरिक्त निरीक्षण प्रविधि को दो अन्य भागों में बाँटा गया है —

- (i) प्रत्यक्ष अवलोकन (Direct observation)
- (ii) अप्रत्यक्ष अवलोकन (Indirect observation) :-

(i) प्रमापीकृत अथवा स्वाभाविक निरीक्षण (Standardised and Natural observation) :-

इसमें व्यक्ति के व्यवहार का परीक्षण या अवलोकन किया जाता है या उनके उसकी परीक्षा के समय दैनिक कार्यों का निरीक्षण किया जाता है।

(ii) बाह्य अथवा आंतरिक निरीक्षण (External or Internal observation) :-

बाह्य अवलोकन के अंतर्गत किसी बाह्य व्यक्ति पर ही आश्रित रहना पड़ता है अर्थात उपबोधक के बारे में सारी जानकारियाँ दूसरे व्यक्ति द्वारा प्राप्त की जाती है तथा आंतरिक परीक्षण में व्यक्ति से स्वयं के बारे में बताने को कहा जाता है।

(iii) नियंत्रित या अनियंत्रित अवलोकन (controlled or Uncontrolled observation) :-

कुछ निश्चित परिस्थितियों में किये गये अवलोकन को नियंत्रित अवलोकन कहते हैं।

तथा अनियंत्रित अवलोकन करते समय व्यक्ति को परिस्थितियों को निर्धारित करने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है।

(iv) निर्देशित या अनिर्देशित निरीक्षण (Directed or Non-Directed) :- पूर्व निर्धारित सूची के आधार पर किया गया अवलोकन निर्देशित अवलोकन कहलाता है तथा वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर किया गया निरीक्षण अनिर्देशित अवलोकन होता है। — अन्य अवलोकन के अंतर्गत —

(i) प्रत्यक्ष अवलोकन (Direct observation)

(ii) अप्रत्यक्ष अवलोकन (Non-Direct observation)

* निर्देशन कार्यों में निरीक्षण प्रविधि का महत्व :-

(1) अन्य विधियों से प्राप्त न हो सकने वाले तथ्यों को अवलोकन प्रविधि द्वारा एकत्रित किया जा सकता है।

(2) इसके अंतर्गत निरीक्षण द्वारा चयनित महत्वपूर्ण तथ्यों का ही अवलोकन किया जाता है।

(3) व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न अनेक विधियों का प्रयोग किया जाता है।

(4) अवलोकन या निरीक्षण विधि के अंतर्गत शिक्षकों अथवा निरीक्षकों द्वारा निरंतर निरीक्षण कार्य किये जाने के परिणामस्वरूप उनकी ज्ञानेन्द्रियाँ और अधिक कुशल हो जाती हैं तथा शिक्षकों में विद्यार्थियों ~~को~~ समझने की योग्यता भी विकसित होती है।